

आदर्श प्रश्न-पत्र

विषय:हिन्दी (ऐच्छिक)

कक्षा: 10+2 (SOS)

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 100

निर्देश:

- (i) परीक्षार्थी यथा संभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दिए गए हैं।
- (ii) उत्तर पुस्तिका में निर्धारित गोले में प्रश्न-पत्र सीरीज अवश्य लिखें।
- (iii) उत्तर-पुस्तिका में खाली पन्ना/पन्ने मत छोड़िए।
- (iv) प्रश्न-पत्र पर दी प्रश्न संख्या। क्रमांक को ही उत्तर-पुस्तिका पर उत्तर देते समय लिखें।
- (v) कोविड-19 महामारी को ध्यानार्थ रखते हुए सत्र-2020-21 के लिए अतिरिक्त वैकल्पिक प्रश्न जोड़े गए हैं।
- (vi) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

सब लोग आपस में बराबर हैं। इस बात का लोगों ने गलत अर्थ लिया है। इसका मामूली अर्थ यह है कि सबको विकास का समान अवसर मिलना चाहिए। यह नहीं कि अवसर की प्रतीक्षा किए बिना जो जहां चाहे, वहां इच्छा मात्र से पहुंच जाए। अवसर कोई ऐसी चीज़ नहीं है जो रोट्टी-दाल की तरह सबके सामने परोसा जा सके। उसे पानी के लिए अपने गुणों का विकास करना होता है। तत्परता, मुस्तैदी और धीरता भी सीखनी होती है और उम्र तथा अनुभवों का भी इंतजार करना पड़ता है। मगर नेतागिरी का चस्का लग जाने के कारण लोगो की इंतजारी की लियाकत घट गई है और जिस जगह आदमी धीरे-धीरे और बड़ी कोशिशों

के बाद पहुंचता है। उस जगह पर अब लोग छलांग मारकर पहुंच जाना चाहते हैं।

- (i) सब लोगों की बराबरी का अर्थ क्या है? 1
(क) अवसर की समानता (ख) समान वेतन
(ग) समान न्याय (घ) समान मत
- (ii) अवसर पाने के लिए क्या करना पड़ता है? 1
(क) धोखाधड़ी (ख) चालाकी
(ग) रिश्वत देना (घ) योग्य बनना
- (iii) नेतागिरी का चस्का लग जाने पर मनुष्य में किस बात की कमी रह जाती है? 1
(क) प्रतीक्षा नहीं कर पाते (ख) अधीरता
(ग) महत्वाकांक्षा बढ़ती है (घ) ये सभी
- (iv) लोग अपनी बारी का इंतजार न कर, कब छलांग लगाकर सब कुछ पा लेना चाहते हैं? 1
(क) नेतागिरी के चक्कर में (ख) संत बनकर
(ग) अध्यापक बनकर (घ) खिलाड़ी बनकर
- (v) गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 2
(क) सहज पके सो मीठा होय (ख) अवसर की समानता
(ग) नेतागिरी और उदण्डता (घ) अवसर और योग्यता
- (vi) अवसर की समानता का क्या अर्थ है? 2
- (vii) अवसर की समानता के लिए किन गुणों का विकास जरूरी है? 2
2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-
आज न गहरी नींद में तुम सो सकोगे
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ।
अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूंगा
अरूण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।
तुम उठो, धरती उठे नभ सिर उठाए

तुम चलो गति में नई गति मान लाएँ।

- (i) कवि किन्हें गहरी नींद से जगाना चाहता है? 1
(क) पक्षियों को (ख) देशवासियों को
(ग) सूर्य को (घ) अपने आप को
- (ii) उदयाचल से क्या अभिप्राय है? 1
(क) उदित पहाड़ (ख) पूर्व दिशा
(ग) उदित होने वाला पर्वत (घ) उदय का आंचल
- (iii) कवि किसे सजाने की बात करता है? 1
(क) अस्ताचल को (ख) उदयाचल को
(ग) धरती को (घ) आकाश को
- (iv) अस्ताचल में तुम्हें जाने न दूंगा का क्या अर्थ है? 1
(क) पश्चिम में न जाने दूंगा
(ख) पतन की ओर न जाने दूंगा
(ग) अस्त न होने दूंगा।
(घ) इनमें से कोई नहीं
- (v) ऊपर दिए गए पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 2
- (vi) कवि किन्हे नींद से जगाना चाहता है? 2
- (vii) कवि के अनुसार उदयाचल और अस्ताचल में अंतर क्या है?
3. निम्नलिखित में से किसी एक पर सारगर्भित निबंध लिखिए। 6
- (क) भ्रष्टाचार अथवा भारत में भ्रष्टाचार की समस्या
(ख) मद्य निषेध अथवा नशाबन्दी
(ग) हिमाचल के प्रसिद्ध मेले
(घ) कन्या भ्रूण हत्या
(ङ) समय का सदुपयोग
(च) वृक्षारोपण का महत्व

4. अपने मित्र को एक पत्र लिखिए, जिसमें योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया हो।

अथवा

नगर निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखिए जिसमें शहर में फैली गंदगी की भयंकर समस्या से राहत पाने का उल्लेख हो।

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को सदाचार चरित्र प्रमाण पत्र लेने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

6

5. टेलीविजन का जनसंचार में क्या महत्व है?

अथवा

समाचार लेखन कैसे किया जाता है?

अथवा

सबसे बढ़िया संचार माध्यम आप किसे मानते हैं?

5

6. कविता के महत्वपूर्ण घटकों का वर्णन कीजिए।

अथवा

कविता की रचना में छंद का क्या महत्व है।

अथवा

कहानी की परिभाषा लिखिए।

7. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

5

आह! वेदना मिली विदाई!

मैंने भ्रम वश जीवन संचित,

मधुकरियों की भीख लुटाई।

छल छल थे संध्या के श्रमकण

आँसू-से गिरते थे प्रतिक्षण।

मेरी यात्रा पर लेती थी

नीरवता अनंत अँगड़ाई।

अथवा

के पति आ लाए जाएत रे मोरा पिअतम पास ।
 हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ॥
 एक सरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए ।
 सखि अनकर दुःख दारुन रे जग के पतिआए ॥

अथवा

1947 के बाद से

इतने लोगों को इतने तरीकों से
 आत्मनिर्भर मालामाल और गतिशील होते देखा है
 कि अब जब आगे कोई हाथ फैलाता है ।
 पच्चीस पैसे एक चाय या दो रोटी के लिए
 तो जान लेता हूँ,
 मेरे सामने एक ईमानदार आदमी, औरत या बच्चा खड़ा है ।

6

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

- (क) देवसेना की हार या निराशा के क्या कारण हैं?
- (ख) कार्नेलिया का गीत कविता में प्रसाद ने भारत की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया है?
- (ग) हाथ फैलाने वाले व्यक्ति को कवि ने ईमानदार क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए ।
- (घ) सत्य का दिखना और ओझल होने से कवि का क्या तात्पर्य है?
- (ङ) माघ महीने में विरहिणी को क्या अनुभूति होती है?
- (च) 'हारेहु खेल जिता वहिं मोही' भरत के इस कथन का क्या आशय है? $2 \times 3 = 6$

9. काव्य सौंदर्य स्पष्ट करें—

5

हेम कुंभ ले उषा सवेरे-भरती, दुलकाती सुख मेरे
 मंदिर ऊँघते रहते जब-जगकर रजनी भर तारा ।

अथवा

तुम्ह बिनु कंता धनि हरई, तन तिनुर भा डोल ।
 तेहि पर बिरह जराइ कै, चहै उड़ावा झोल ॥

अथवा

‘एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि’ रहलो न जाए।

सखि अनवर दुःख दारून रे जग के पतिआए ॥

10. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दें-

(क) विष्णु खरे

(ख) मलिक मुहम्मद जायसी

(ग) रघुवीर सहाय

(ध) विद्यापति

5

11. निम्नलिखित में किन्ही दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

(क) पुर्जे खोलकर फिर ठीक करना उतना कठिन काम नहीं है। लोग सीखते भी हैं। सिखाते भी हैं। अनाड़ी के हाथ में चाहे घड़ी मत दो पर जो घड़ी साजी का इम्तहान पास कर आया है उसे तो देखने दो। साथ ही यह भी समझा दो कि आपको स्वयं घड़ी देखना साफ़ करना और सुधारना आता है कि नहीं। हमें तो धोखा होता है कि परदादा की घड़ी जेब में डाले फिरते हो, वह बंद हो गई है, तुम्हें न चाबी देना आता है न पुर्जे सुधारना तो भी दूसरों को हाथ नहीं लगाने देते इत्यादि।

(ख) जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है? मनुष्य जी रहा है। केवल जी रहा है: अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है: नहीं मिल सका कोई बात नहीं परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुंचाने का अभिमान यदि गलत है तो दुःख पहुंचाने का अभिमान तो नितांत गलत है।

(ग) मेरे पिता जी फारसी के अच्छे ज्ञाता और पुरानी हिन्दी कविता के बड़े प्रेमी थे। फारसी कवियों की उक्तियों को हिन्दी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाने में उन्हें बड़ा आनन्द आता था। वे रात को प्रायः रामचरितमानस और

रामचंद्रिका घर के सब लोगों को एकत्र करके बड़े चिन्ताकर्षक ढंग से पढ़ा करते थे। आधुनिक हिन्दी साहित्य में भारतेन्दु जी के नाटक उन्हें बहुत प्रिय थे। उन्हें भी वे कभी-कभी सुनाया करते थे।

- (घ) आरती से पहले स्नान! हर-हर बहता गंगा जल। निर्मल नीला, निष्पाप। औरतें डुबकी लगा रही हैं। बस उन्होंने तट पर लगे कुंडो से बंधी जंजीरे पकड़ रखी हैं। पास ही कोई न कोई पंडा जजमानों के कपड़ों-लत्तो की सुरक्षा कर रहा है। हर एक के पास चंदन और सिंदूर की कटोरी है। मर्दों के माथे पर चंदन तिलक और औरतों के माथे पर सिंदूर का टीका लगा देते हैं पंडे। कहीं कोई दादी बाबा पहला पोता होने की खुशी में आरती करवा रहे हैं। कहीं कोई नयी बहू आने की खुशी में। अभी पूरा अंधेरा नहीं घिरा है। गोधूलि बेला है। 2×4=8

12. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- (क) लेखक ने अपने पिता जी की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
 (ख) समवयस्क हिंदी प्रेमियों की मंडली में कौन-कौन से लेखक मुख्य थे?
 (ग) लेखक ने धर्म का रहस्य जानने के लिए 'घड़ी के पुर्जे' का दृष्टांत क्यों दिया है?
 (घ) बालक से उसकी उम्र और योग्यता से ऊपर के कौन-कौन से प्रश्न पूछे गये?
 (ङ) "अपना सोना खोया तो परखवैया का कौन दोस" से लेखक का क्या तात्पर्य है?
 (च) कुटज को 'गाढ़े का साथी' क्यों कहा गया है? 3×2=6

13. निम्नलिखित में से किसी एक निबंधकार का साहित्यिक परिचय दीजिए-

- (क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
 (ख) ब्रज मोहन व्यास
 (ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी 6

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- (क) पत्थर की जाति से लेखक का क्या आशय है? उसके विभिन्न प्रकारों के बारे में लिखिए।

(ख) 'तो हम सौ लाख बार बनाएँगे' इस कथन के संदर्भ में सूरदास के चरित्र की विवेचना कीजिए।

(ग) पहाड़ों की चढ़ाई में भूप दादा का कोई जवाब नहीं! उनके चरित्र की विशेषताएं बताइए।

(घ) 'हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गंदे पानी के नाले बना रही है।' क्यों और कैसे? 2×4=8

15. (क) जगधर के मन में किस तरह का ईर्ष्या-भाव जगा और क्यों ?

अथवा

सूरदास जगधर से अपनी आर्थिक हानि को गुप्त क्यों रखना चाहना चाहता था?

अथवा

यूँ तो प्रायः लोग घर छोड़ कर कहीं न कहीं जाते हैं। परदेश जाते हैं किंतु घर लौटते समय रूप सिंह को एक अजीब किस्म की लाज अपनत्व और झिझक क्यों घेरने लगी?

(ख) धरती का वातावरण गरम क्यों हो रहा है? इससे यूरोप और अमेरिका की क्या भूमिका है? टिप्पणी कीजिए।

अथवा

मालवा में जब सब जगह बरसात की झड़ी लगी रहती है तब मालवा के जनजीवन पर इसका क्या असर पड़ता है? 4

अथवा

भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी क्यों जलाई? 4